PAPER-III
PERFORMING ARTS - DANCE, DRAMA/THEATRE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 6 5 1 1

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

PERFORMING ARTS – DANCE, DRAMA/THEATRE
प्रदर्शनकारी कला – नृत्य, नाटक / रंगमंच

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. "Dance reflects society." Support this statement w.r.t. the dance style you practise, from historical past to the present.
"नृत्य समाज का दर्पण है ।" आपकी अपनी नृत्यशैली के विगत एवं वर्तमान इतिहास से उदाहरण देते हुए अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

OR / अथवा

Drama/Theatre (नाटक/रंगमंच)

Theatre art demands for its own aesthetics. Justify in the context of art and aesthetics.
'नाट्य कला को अपने सौन्दर्यशास्त्र की आवश्यकता है ।' इस कथन का कला और सौन्दर्यशास्त्र के संदर्भ में औचित्य बतलाइये ।

2. Do you agree that dance changes with space and time ? Support your answer with historical and contemporary practices of Indian Classical Dance.
क्या आप सहमत हैं कि नृत्य स्थान और समय के साथ परिवर्तित होता है ? भारतीय शास्त्रीय नृत्य के इतिहास और वर्तमान प्रयोगों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।

OR / अथवा

Trace the process of interpretation in the production of a play text and its role in shaping the form of production and characterisation of given characters.
नाट्य प्रस्तुति में नाट्य कृति के मूल-पाठ की व्याख्या प्रक्रिया और नाट्य प्रस्तुति के रूप को बनाने और पात्रों के चरित्र चित्रण में इसकी भूमिका का उल्लेख कीजिए ।

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन** (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I / विकल्प – I

Dance (नृत्य)

3. What kind of training is essential to develop correctness of posture and depth of emotions for a dancer ?

   शारीरिक सौष्ठव और भाव की गहराई के सही विकास के लिये नर्तक के किस प्रकार का शिक्षण अनिवार्य है ?

4. Is research and scholarship a must for development of art of dance ?

   क्या नृत्य कला के विकास के लिये अनुसंधान और विद्वत्ता आवश्यक है ?

5. What is choreography ? Write about major dance works of any two choreographers of your choice.

   कोरिओग्राफी क्या है ? अपनी पसंद के किन्हीं दो कोरिओग्राफर की नृत्य रचना के बारे में लिखें ।

OR / अथवा

Elective – II / विकल्प – II

Drama/Theatre (नाटक/रंगमंच)

3. What is the situation of contemporary theatre movement in India ? Discuss in brief.

   भारत में समकालीन भारतीय थिएटर आन्दोलन की स्थिति क्या है ? संक्षेप में चर्चा कीजिए ।

4. Do Natyashastra or Aristotle's Theory of Poetics has any relevance for a modern theatre practitioner or trainer ?

   क्या आधुनिक नाट्य-व्यवसायी अथवा प्रशिक्षक के लिए नाट्य-शास्त्र अथवा अरस्तु के काव्यशास्त्र में कोई प्रासंगिकता है ?

5. The movement of theatre of the absurd is a dramatic technique or a production technique ? What is your take on it ?

   क्या विसंगति थिएटर आन्दोलन एक नाट्य-तकनीक है अथवा नाट्य प्रस्तुति की एक तकनीक है ? इस संदर्भ में अपना मत लिखिए ।

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

Dance (नृत्य)

6. How and why is Shilpadikaram important to dance history ?
नृत्य के इतिहास में शीलपदीकार क्यों और कैसे महत्त्वपूर्ण है ?

7. Describe the Rasa-Siddhanta of Bharata and Abhinavagupta.
भरत और अभिनव गुप्त के रस-सिद्धान्त का वर्णन कीजिए ।

8. Define Asta Nayikas as per Bharata. Does the division hold true today ?
भरत के अनुसार अष्ट-नायिकाओं को परिभाषित कीजिए । वर्तमान समय में क्या यह विभाजन सही है ?

9. List five Ragas and Talas used frequently in your dance style. Describe Chenda and Pakhawaj.
आपकी नृत्य विधा में अधिक प्रयोग होनेवाले किन्हीं 5 रागों और 5 ताल को लिखें । चेन्ड़ा और पखावज का वर्णन करें ।

10. Define : Javali, Pung Cholam, Pallavi, Kavita, Atta Katha.
परिभाषित कीजिए : जावली, पूंग चोलम्, पल्लवी, कविता, अट्टकथा ।

11. Write about any two folk dances performed in circle and any two tribal dances of India.
भारत के किन्हीं दो लोकनृत्य जो वर्तुल में होते हैं और किन्हीं दो आदिवासी नृत्यों के बारे में लिखें ।

12. What is the importance of Sthayi Bhava ? List all of them and describe.
स्थायी भाव का क्या महत्त्व है ? सभी के स्थायी भावों का नाम लिखते हुए उनका वर्णन कीजिए ।

13. Describe : Bunaraku, Lakhon, Devil Dances, Peking Opera.
वर्णन कीजिए : बुनराकु, लाखोन, डेविल डान्सीज़, पीकिंग ओपेरा ।

14. To be a professional performer and teacher of dance, what kind of training one must go through ? Describe keeping in mind the ancient and contemporary practices in dance.

'नृत्य के व्यावसायिक कलाकार और शिक्षक बनने के लिये किस प्रकार का प्रशिक्षण पाना होगा ?' नृत्य के प्राचीन और वर्तमान प्रयोगों को ध्यान में रखते हुए वर्णन कीजिए ।

OR/अथवा

Drama/Theatre

नाटक/रंगमंच

6. Trace the achievements and contributions of some major theatre practitioners of your region.

अपने क्षेत्र के प्रमुख थिएटर व्यवसायियों (रंगकर्मियों) की उपलब्धियों एवं योगदान के बारे में लिखिए ।

7. Which theatre form prevailed in India between the period of medieval theatre and modern theatre movement, which was inspired by Shakespearean theatre ?

वह कौन सी नाट्य विधा है जो भारत में मध्यकालीन थिएटर और आधुनिक थिएटर आन्दोलन के बीच प्रचलित थी और जो शेक्सपियर के नाट्य-विधान से भी प्रभावित थी ?

8. Write about major theatrical forms of South East Asia and their contribution towards the evolution of theatre in the East.
दक्षिण-पूर्वी एशिया की प्रमुख नाट्य-विद्याओं और पूर्वीय देशों में थिएटर के विकास में इनके योगदान के बारे में लिखिए ।

9. What is the scene of English language theatre in India ?
भारत में अंग्रेजी भाषा के थिएटर का परिदृश्य कैसा है ?

10. Write a descriptive note on three major components of Indian dramaturgy i.e., Vastu, Neta and Rasa.
भारत नाट्य विधान के तीन घटकों – वस्तु, नेता और रस पर एक विवरणात्मक टिप्पणी लिखिए ।

11. What is the role of education in theatre and also write about the contribution of major theatre training institutes in India ?
थिएटर में शिक्षा की क्या भूमिका है और भारत की प्रमुख नाट्य शैक्षणिक संस्थाओं के योगदान के सम्बन्ध में भी लिखिए ।

12. What makes a good actor, understanding theories of acting, learning, delearning or being spontaneous or being a born actor ?
एक अच्छा अभिनेता कैसे बनता है – अभिनय सिद्धान्तों की समझ, विज्ञता, अविज्ञता अथवा आत्मस्फूर्ति अथवा जन्मजात अभिनेता होने से ?

13. What are major folk theatre forms of the Northern region of India ?
भारत के उत्तरीय क्षेत्र की प्रमुख नाट्य-विधाएँ कौन सी हैं ?

14. What do you understand by post war realism ? Which major playwright contributed towards it ?
युद्धोत्तर यथार्थवाद से क्या अभिप्राय है ? किस प्रमुख नाटककार ने इस ओर योगदान दिया ?

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

DANCE / नृत्य

Answer the question according to your specilization.

अपनी विशेषज्ञतानुसार प्रश्नों के उत्तर दें ।

Most of the dance forms as seen in the present day were formalized only during the last 300 – 400 years especially because of the fact that classical dance forms in India are dynamic in nature and even though they are thousands of years old, they have the capacity to innovate and absorb the milieu and demands of changing times. The ultimate aim of the classical dance styles is to transport both the performer and viewer to a state of bliss or a near state of sublimity.

From review, it emerges that dance was associated with rituals and was performed by both men and women. The study of dance was part of the education process of royal princes and princesses, unlike what is popularly believed today. There existed many categories of dancers from the highly trained, skilled professionals who were accorded respect to the common, lowly ones. It is possible

that references to 'apsaras' and 'yakshinis' as celestial dancers on water nymphs were euphemisms for extremly skilled and beautiful dancers while the term 'ganika' was reserved for the lowly ones. Among the professional groups, there were the exalted courtesan dancers and temple dancers (the demarcation between the two being often blurred) as well as groups of male dancing priests.

– Shovana Narayan

अधिकतर नृत्य रूपों, जो आजकल देखने में आते हैं, उन्हें गत 300-400 वर्ष के दौरान ही व्यावहारिक रूप दिया गया विशेषतया इस तथ्य के कारण कि भारत के शास्त्रीय नृत्य रूप अपनी प्रकृति में गतिशील हैं और चाहे वे यद्यपि हजारों वर्ष पुरातन हैं, फिर भी उनमें नवाचार लाने की क्षमता है और समकालीन समाज और बदलते समय की आवश्यकताओं को आत्मसात कर सकते हैं । शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अन्तिम ध्येय यही है कि इस द्वारा नृतक एवं दर्शक दोनों ही परमानन्द की अवस्था अथवा उदात्तता के निकट पहुँच जाएँ ।

इस समीक्षा से यह उभरता है कि नृत्य कर्मकांडों से सम्बद्ध था और इसे स्त्री-पुरुष दोनों करते थे । नृत्य का अध्ययन शाही राजकुमारियों और राजकुमारों की शिक्षा प्रक्रिया का भाग हुआ करता था । ऐसा नहीं था जैसा कि आजकल विश्वास प्रचलित है । तब नर्तकों की कई श्रेणियाँ अस्तित्व में थीं जिनमें उच्च प्रशिक्षण प्राप्त, कुशल और व्यावसायिक भी थे जिन्हें सामान्य और निम्न वर्ग के लोग सम्मान देते थे । यह संभव है कि जो 'अप्सराओं' एवं 'यक्षिणियों' का संदर्भ जो देवी नृत्यकाओं अथवा जलपरियों के रूप में आता है, वे अत्यन्त कुशल और सुन्दर नर्तकियों के लिए मधुर-भाषण मात्र न हो जबकि 'गणिका' शब्द का प्रयोग निम्न नर्तकियों के लिए किया जाता था । व्यावसायिक समूहों में उच्च दरबारी नर्तक और मंदिर-नर्तक आ जाते थे । (दोनों के बीच की लकीर प्राय: धुंधली पड़ जाती थी) ऐसा ही नृत्य करने वाले पुजारियों के सम्बन्ध में भी था ।

– शोभना नारायण

15. What is the inherent nature of Indian Classical Dance forms ?
भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों की निहित प्रकृति क्या है ?

16. When did most of classical dance forms get formalized ?

अधिकतर शास्त्रीय नृत्य रूप कब व्यावहारिक हुए ?

17. What is the ultimate aim of classical dance ?
शास्त्रीय नृत्य का अन्तिम उद्देश्य क्या है ?

18. Why was study of dance part of royal education ?
नृत्य का अध्ययन शाही शिक्षण का अंग क्यों था ?

19. How many categories of dancers existed ? What were they referred as and why ?
नर्तकों की कितनी कोटियाँ अस्तित्व में थीं ? उनका उल्लेख कैसे हुआ है और क्यों ?

OR/अथवा

Drama / Theatre
नाटक / रंगमंच

The greatest defect of the commercial theatre over a large part of the country was its ignorance of our indifference to the changing contemporary social condition. With the spread of English education, a new urban audience was coming into existence to which mythological plays, far removed from their own experience and thoroughly artificial both in content and production, had no appeal. These companies had to depend more and more on the patronage of the rural audience who were no more interested in the fates of mythological heroes and heroines. The villagers just

demanded some entertainment to their taste. The play was immaterial. So we have the well-known experience of the Tamil stage in which whatever be the scene or the context, the audience would demand of their favourite actor a song they liked and he unhesitatingly obliged. This is an extreme example. Usually, the production would include comic interludes completely irrelevant to the theme. If the original script had no such scene, the producer would provide it. Though the commercial theatre created a growing rural audience, it was a dubious benefit. As the audience increased, the standard declined.

– Adya Rangacharya

देश के बड़े भाग में व्यावसायिक थिएटर की सबसे बड़ी त्रुटि यह रही कि समकालीन सामाजिक स्थितियों में हो रहे परिवर्तन के प्रति हमारी उदासीनता से वह अनविज्ञ रहा । अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार से एक नवीन नगरीय दर्शक वर्ग अस्तित्व में आ रहा था जिनके लिए मिथिक नाट्य, जो उनके निजी अनुभव से कहीं परे था और जो वस्तु संरचना और प्रस्तुति में पूर्णतया कृत्रिम थे, में उनके लिए कोई आकर्षण न था । इन कम्पनियों को ग्रामीण दर्शकों की संरक्षणता पर अधिक से अधिक आश्रित होना पड़ता था जिन्हें मिथिकों के नायकों और नायिकाओं के भाग्य में अब कोई रुचि नहीं रह गई थी । वे तो अपनी रुचि के अनुसार कुछ मनोरंजन चाहते थे । उनके लिए नाट्य का कोई महत्त्व न था । इसके लिए हमारे सम्मुख तामिल रंगभूमि का यह जाना-माना अनुभव है कि स्टेज पर कोई भी दृश्य अथवा संदर्भ हो, दर्शक अपने चहेते अभिनेता से अपनी मनपसन्द का कोई गीत सुनाने की माँग करते थे और वह अभिनेता उनकी माँग को बिना किसी हिचकिचाहट पूरा भी करता था । यह एक सिरे का उदाहरण है । प्राय: प्रस्तुति में ऐसे विनोदी विष्कम्भक जुड़े रहते जिनका विषय से कोई सम्बन्ध नहीं होता था । यदि मूल-पाठ में ऐसा कोई दृश्य न रहता तो प्रस्तुतकर्त्ता इस कमी को पूरा करता । यद्यपि व्यावसायिक थिएटर ने ग्रामीण दर्शकों में वृद्धि की फिर भी यह एक भ्रामक लाभ है । इससे दर्शक तो बड़े, पर स्तर घटा ।

– आध्य रंगाचार्य

15. What was the greatest defect of the commercial theatre over the major parts of the country during later part of nineteenth century ?
देश के बड़े भू-भाग में 19वीं शती के बाद के भाग में व्यावसायिक थिएटर की प्रमुख त्रुटि कौन सी थी ?

_____

_____

16. What was new urban audience's need which was coming into existence with the spread of English audience ?
अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार से पैदा होने वाले नवीन नगरीय दर्शकों की आवश्यकता क्या थी ?

17. What did villagers demand from the performances of that period ?
उस समय के ग्रामीण दर्शकों की प्रस्तुतकर्त्ताओं से क्या माँग थी ?

18. What was the pressure on the producer of the play and what he did to cope up with it ?
नाट्य के प्रस्तुतकर्त्ता पर तब क्या दबाव था और उस दबाव को दूर करने के लिए वह क्या करता था ?

19. What was the ultimate result of such kind of performance on the growth of the theatre ?
ऐसी प्रस्तुति का थिएटर के विकास में अन्तिम प्रतिफल क्या रहा ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....